पाठ 12

वन–श्री

जितने भी हैं इसमें कोटर
सब पंछी गिलहरियों के घर
संध्या को जब दिन जाता ढल,
सूरज चलता है अस्ताचल
कर में समेट किरणें उज्ज्वल
हो जाता है सुनसान लोक,

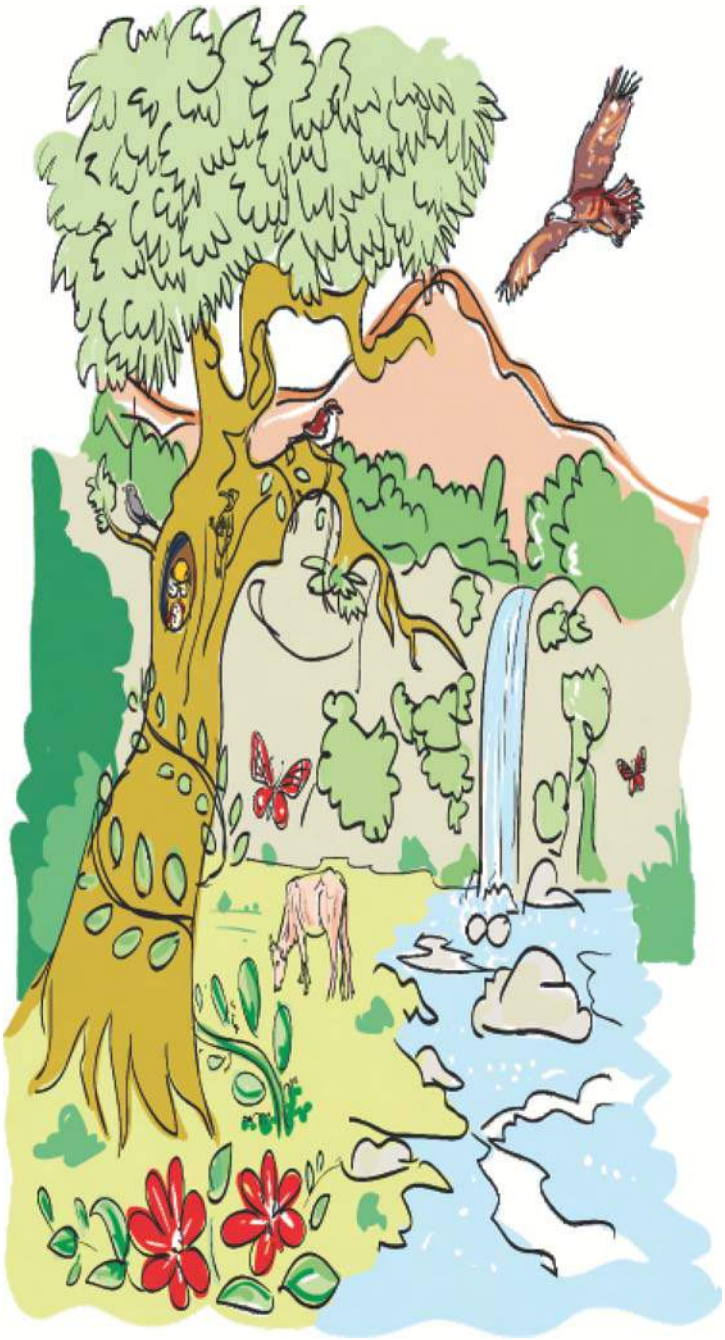

चल पड़ते घर को चील कोक
अंधियाली संध्या को विलोक
भर जाता है कोटर–कोटर,
बस जाते हैं पत्तों के घर
घर–घर में आती नींद उतर
निद्रा में ही होता प्रभात,
कट जाती है इस तरह रात
फिर वही बात रे वही बात
इस वसुधा का यह वन्य प्रांत
है दूर अलग एकांत शांत
हैं खड़े जहाँ पर साल बाँस,
चौपाये चरते नरम घास
निर्झर, सरिता के आस–पास
रजनी भर रो–रोकर चकोर,
कर देता है रे रोज भोर
नाचा करते हैं जहाँ मोर
है जहाँ वल्लरी का बंधन
बंधन क्या, वह तो आलिंगन
आलिंगन भी चिर आलिंगन
बुझती पथिकों की जहाँ प्यास,
निद्रा लग जाती अनायास
है वहीं सदा इसका निवास।

–गोपाल सिंह 'नेपाली'

शब्दार्थ

कोटर	–	वृक्ष के तने का खोखला भाग	पंछी	–	पक्षी
कोक	–	चकवा– एक पक्षी विशेष	वसुधा	–	धरती
वन्य प्रान्त	–	जंगल का क्षेत्र	निर्झर	–	झरना
सरिता	–	नदी	भोर	–	सुबह, प्रभात
वल्लरी	–	बेल	पथिकों	–	राहगीरों
अनायास	–	बिना प्रयास के, सहज	लोक	–	संसार

अभ्यास कार्य

पाठ से

उच्चारण के लिए

उज्ज्वल, अंधियाली, संध्या, वल्लरी

सोचें और बताएँ

1. गिलहरियों के घर किस पर बने हैं ?
2. संसार कब सुनसान हो जाता है?
3. जंगल में कौन–सा पक्षी नाचता है?

लिखें

इन वाक्यों को अपनी कॉपी में लिखकर सही वाक्य पर सही (✓) व गलत वाक्य पर गलत (✗) का निशान कोष्ठक में लगाएँ

1. पक्षी पत्तों से भी घर बनाते हैं। ( )
2. घर में नींद नहीं आती है। ( )
3. बेल पेड़ों से लिपट जाती है। ( )
4. राहगीर झरनों का पानी नहीं पीते हैं। ( )

नीचे लिखे आशय की पंक्तियाँ कविता से छाँटकर लिखिए

1. चील और चकवे घर की ओर लौट आते हैं।
1. जहाँ साल के पेड़ उगे हुए हैं।
2. यह क्रम रोजाना होता है।
3. बिना प्रयास के नींद आ जाती है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. रात–भर कौन–सा पक्षी रोता है?
2. वसुधा का वन्य प्रान्त कैसा है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. पशु–पक्षी घर कब लौट आते हैं?
2. चौपाये (पशु) कैसी घास चरते है और कहाँ ?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. कविता का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए।

भाषा की बात

1. प्यारा गोपाल बंशी बजाता है। इस वाक्य में 'गोपाल' की विशेषता 'प्यारा' शब्द बता रहा है। यहाँ 'प्यारा' शब्द विशेषण है व 'गोपाल' शब्द विशेष्य। **जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं और जिस शब्द की विशेषता बताई जाए, उसे विशेष्य कहते हैं।** विशेषण के चार भेद होते हैं–

(क) गुणवाचक विशेषण – बूढ़ा, हरा, खट्टा, मूर्ख, बीमार, पीला आदि।

(ख) संख्यावाचक विशेषण – (i) निश्चित संख्यावाचक–एक दर्जन, पाँच बच्चे आदि।
(ii) अनिश्चित संख्यावाचक–सैकड़ों रोटियाँ, कुछ लोग, खूब बातें।

(ग) परिमाणवाचक विशेषण– (i) निश्चित परिमाणवाचक– दो मीटर कपड़ा, पाँच लीटर दूध।
(ii) अनिश्चित परिमाणवाचक–थोड़ा–सा पानी, ढेर सारा घी।

(घ) सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण– वह लड़का।

पाठ में से विशेषण व विशेष्य शब्दों को छाँटकर सूची बनाएँ।

2. श्रीकृष्ण <u>और</u> सुदामा मित्र थे। रेखांकित शब्द श्रीकृष्ण सुदामा शब्दों को जोड़ने के लिए प्रयुक्त हुआ हैं। **ऐसे शब्द जो दो शब्दों, उपवाक्यों और वाक्यों को जोड़ने या अलग करने वाले हो समुच्चयबोधक अव्यय कहलाते हैं;** जैसे– इसलिए, क्योंकि, परंतु, या आदि। अब आप उचित समुच्चयबोधक अव्यय का चयनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

(i) किसानों ..... मजदूरों की टूटी–फूटी झोंपड़ियों में ही प्यारा गोपाल बंशी बजाता मिलेगा।
(क) क्योंकि (ख) और (ग) इसलिए (घ) लेकिन ( )

(ii) मैंने धन एकत्र करना शुरू किया ..... गरीबों की सहायता कर सकूँ।
(क) और (ख) क्योंकि (ग) ताकि (घ) मगर ( )

(iii) वे धनी होते हुए भी निर्धन हैं ..... वे गरीबों का शोषण करते हैं।
(क) क्योंकि (ख) तेज (ग) के बाहर (घ) धीरे–धीरे ( )

3. पाठ में कोटर–कोटर, घर–घर पद आए हैं। इस तरह संज्ञा पद दो बार आते हैं तो पूर्व पद का अर्थ 'प्रत्येक' होता है। जब संज्ञा पद दो बार आए तथा पूर्व पद का अर्थ प्रत्येक होता है तो वहाँ अव्ययीभाव समास होता है। आप भी ऐसे पाँच पद लिखिए।

- **जिस समास में द्वितीय पद प्रधान होता है तथा प्रथम पद अव्यय होता है उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।**

4. नीचे लिखे शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखिए; जैसे– संध्या – प्रभात
   नरम, अस्त, अंधियाली, चल
5. जैसे पंछी के समानार्थी शब्द हैं पक्षी, खग और द्विज। इसी तरह घर, सरिता, वसुधा, सूरज, रजनी के तीन–तीन समानार्थी शब्द लिखिए।

पाठ से आगे

1. जंगल हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं, कैसे? अपने विचार लिखिए।
2. पेड़–पौधे रात में अपना भोजन क्यों नहीं बना पाते हैं? कारण लिखिए।
3. जंगल को बचाने के लिए हमें क्या–क्या करना चाहिए? लिखिए।

यह भी करें

1. अपनी कल्पना से जंगल का चित्र बनाएँ।
2. 'वृक्षारोपण' विषय पर बालसभा में अपने विचार प्रकट कीजिए।

यह भी जानें

1. पाठ में जंगल में पाए जाने वाले साल, बाँस वनस्पतियों के नाम आए हैं। वन में और कौन–कौनसी वनस्पतियाँ उगती हैं? सूची बनाएँ।

- इनमें से हमारे लिए स्वास्थ्यवर्धक औषधीय पौधे कौन–कौनसे हैं ?
- अपने से बड़ों को पूछकर सूची बनाएँ; ये कौन–कौनसी बीमारियों में कैसे उपयोग में ली जाती हैं? यहाँ नीम का उपयोग उदाहरण के रूप में दिया जा रहा है।

बीमारी का नाम	–	**उपयोग का तरीका**
चर्मरोग	–	पत्तियों को उबालकर उस पानी से स्नान करना।
फोड़े–फुंसी	–	इसकी छाल को पत्थर पर घिसकर लेप करना।
शीत–पित्ती	–	निम्बोली की मींजी को पीसकर गाय के घी के साथ सेवन करने से शीत पित्ती (दापड़) शांत हो जाते हैं।

- आप द्वारा बनायी सूची में से कौन–कौनसे पौधे अपने आँगन/गमले में लगाना चाहेंगे ?

तब और अब

पुराना रूप	पत्ता	शान्त	बन्धन
मानक रूप	पत्ता	शांत	बंधन

जानें, गुनें और जीवन में उतारें

ईषावास्यमिदम् सर्वम्। सम्पूर्ण जगत में ईश्वर का वास है।